विदेशी पूंजी प्रवाह और भारत का भुगतान संतुलन

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

भारत, **विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था** के रूप में उभरा है, जिसने **वर्ष 2021 से 2024 के बीच 8.2%** की औसत वार्षिक GDP वृद्धि दर दर्ज की है, जो **वियतनाम, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका** जैसे देशों से आगे है।

- मज़बूत आर्थिक वृद्धि के बावजूद, भारत को **कम शुद्ध विदेशी पूंजी प्रवाह का** सामना करना पड़ रहा है, जो उसकी **भुगतान संतुलन (Balance of Payments)** में GDP विस्तार और निवेशकों की भावना के बीच एक अंतर को दर्शाता है।

भुगतान संतुलन क्या है?

- **परिचय:** भुगतान संतुलन एक महत्त्वपूर्ण आर्थिक संकेतक के रूप में कार्य करता है, जो भारत एवं शेष विश्व के बीच सभी वित्तीय लेन-देन का विवरण देता है।
    - यह व्यापक खाता **बही धन के अंतर्वाह और बहिर्वाह पर नज़र रखता है, जहाँ अंतर्वाह को सकारात्मक एवं बहिर्वाह को नकारात्मक के रूप में चिह्नित** किया जाता है, जो वैश्विक स्तर पर देश की आर्थिक अंतःक्रियाओं को दर्शाता है।
    - यह विदेशी मुद्राओं के तुलना में रुपये की सापेक्ष मांग को मापता है, जो विनिमय दरों एवं आर्थिक स्थिरता को विशेष रूप से प्रभावित करता है।
- **BoP के घटक:**
    - **चालू खाता:**
        - **वस्तुओं का व्यापार:** भौतिक आयात एवं निर्यात को ट्रैक करता है, जो व्यापार संतुलन को दर्शाता है। घाटा निर्यात की तुलना में अधिक आयात का संकेत देता है।
        - **सेवाओं का व्यापार (अदृश्य):** इसमें IT, पर्यटन तथा धनप्रेषण जैसे क्षेत्र शामिल हैं, जो व्यापार घाटे के बावजूद भारत के चालू खाता अधिशेष में सकारात्मक योगदान देते हैं।
        - इन दोनों घटकों का शुद्ध योग चालू खाता शेष निर्धारित करता है।
    - **पूंजी खाता:**
        - इसमें प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) तथा विदेशी संस्थागत निवेश (FII) जैसे निवेश शामिल हैं, जो आर्थिक विकास एवं स्थिरता के लिये आवश्यक हैं।
        - पूंजी खाता प्रवाह वाणिज्यिक उधार, बैंकिंग, निवेश, ऋण और पूंजी जैसे कारकों को प्रतिबिंबित करता है।

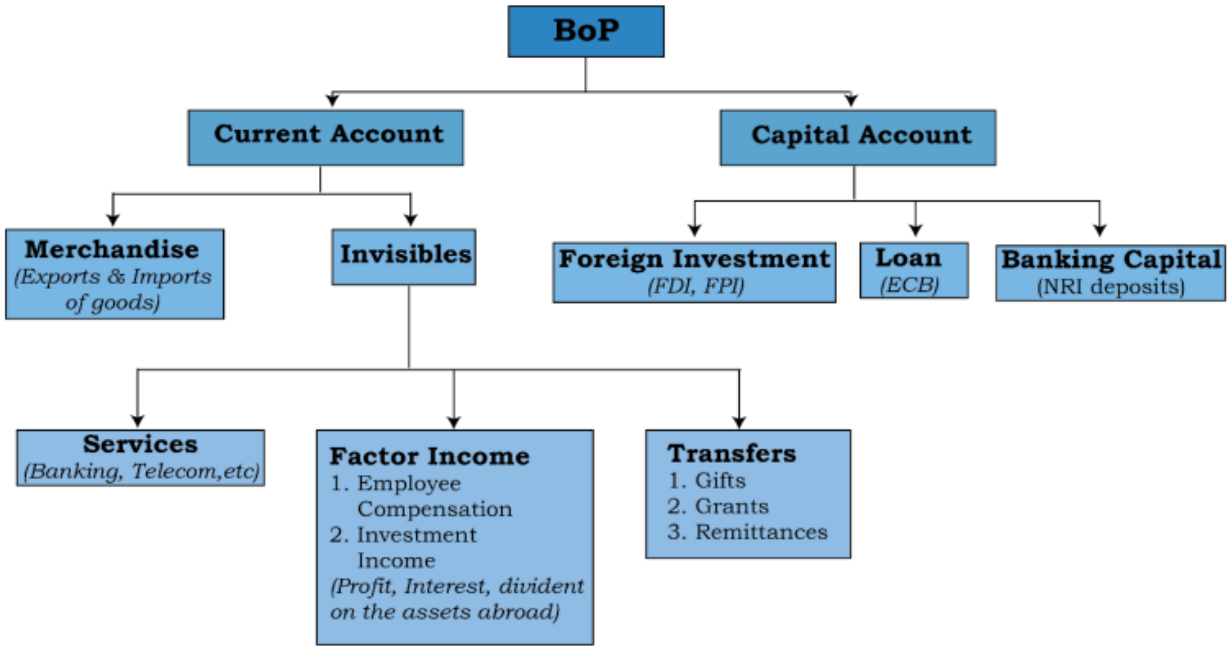

भारत के भुगतान संतुलन (BoP) की वर्तमान स्थिति क्या है?

- **व्यापार घाटा और अदृश्य खाता:** भारत का **व्यापार घाटा लगातार** बढ़ रहा है और वर्ष **2024-25** में यह **287.2 अरब डॉलर** तक पहुँच गया।
  - हालाँकि, यह **"अदृश्य" खाते** में अधिशेष के कारण संतुलित रहा है, जो **मुख्य रूप से सेवा निर्यात और भारतीय प्रवासी समुदाय से प्राप्त धन के कारण है।**
  - इन अधिशेषों ने वस्तु व्यापार घाटे के बढ़ने के बावजूद **चालू खाता घाटे (CAD)** को प्रबंधनीय बनाए रखने में मदद की है।
- **विकास और निवेश विरोधाभास:** मज़बूत आर्थिक वृद्धि के बावजूद भारत को विदेशी निवेश आकर्षित करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। वित्तीय वर्ष **2023-24** में, **विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (FPI) 25.3 अरब अमेरिकी डॉलर** था।
  - हालाँकि, भारत ने **पिछले वर्षों में महत्त्वपूर्ण शुद्ध बहिर्वाह** का अनुभव किया, जैसे वर्ष 2022-23 में 5.1 अरब डॉलर, वर्ष 2024-25 में 14.6 अरब डॉलर और वर्ष 2025-26 में 2.9 अरब डॉलर (5 सितंबर तक)।
    - यह प्रवृत्ति उस विरोधाभास को उजागर करती है, जहाँ भारत का आर्थिक विस्तार विदेशी पूंजी प्रवाह के साथ मेल नहीं खाता।
- **निजी इक्विटी और उद्यम पूंजी निकासी: निजी इक्विटी (PE)** और **उद्यम पूंजी (VC)** निवेशों से निकासी में वृद्धि, नई पूंजी सृजन के बजाय, लाभवसूली और परिपक्व निवेश को दर्शाती है।
  - **PE/VC** निकासी का कुल मूल्य वर्ष **2022 में 24 अरब डॉलर, वर्ष 2023 में 29 अरब डॉलर और वर्ष 2024 में 33 अरब डॉलर** रहा।
  - विदेशी निवेशक **कॉर्पोरेट आय, समग्र व्यावसायिक माहौल** और **बाज़ार मूल्यांकन** को मुख्य **GDP वृद्धि** आँकड़ों से अधिक प्राथमिकता देते हैं।

FDI और FPI

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)

FDI:

- किसी दूसरे देश में स्थित व्यवसायों और संपत्तियों में विदेशी संस्थाओं/व्यक्तियों द्वारा किया गया निवेश

FDI के अंतर्वाह हेतु मार्ग :

- स्वचालित मार्ग:
  - किसी पूर्व सरकारी स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है
  - गैर-महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 100% तक की अनुमति
- □सरकारी मार्ग:
  - कुछ क्षेत्रों में या विशिष्ट सीमा से ऊपर के निवेश के लिये आवश्यक
  - उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) और RBI द्वारा प्रशासित

स्वचालित और सरकारी रूट के माध्यम से स्वीकृति के उदाहरण:

- बैंकिंग (निजी क्षेत्र): 49% तक (स्वायत्त) + 49% से ऊपर और 74% तक (सरकारी)
- रक्षा: 74% तक (स्वायत्त) + 74% से अधिक (सरकारी)
- हेल्थकेयर (ब्राउनफील्ड): 74% तक (स्वायत्त) + 74% से ऊपर (सरकारी)
- दूरसंचार सेवाएँ: 49% तक (स्वायत्त) + 49% से अधिक (सरकारी)

विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (FIPB):

- वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आता है
- FDI प्रस्तावों को संसाधित करने के लिये ज़िम्मेदार - विदेशी निवेश सुविधा पोर्टल (FIFP) द्वारा सुविधा प्रदान की गई
- सरकार की मंज़ूरी के लिये सिफारिशें करना

भारत (चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्याँमार और अफगानिस्तान) के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से FDI के लिये सरकार की पूर्व स्वीकृति अनिवार्य है।

भारत के शीर्ष 5 FDI स्रोत (वित्त वर्ष 2022-23):

- मॉरीशस
- सिंगापुर
- अमेरिका
- नीदरलैंड
- जापान

FDI आकर्षित करने वाले भारत के शीर्ष क्षेत्र (वित्त वर्ष 2022-23):

- सेवा क्षेत्र
- कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर
- व्यापार
- दूरसंचार
- ऑटोमोबाइल उद्योग

विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (FPI)

FPI:

- वित्तीय संपत्तियों में विदेशी व्यक्तियों, संस्थानों या निधियों द्वारा किये गए निवेश
- फ्लाई बाय नाइट या हॉट मनी के नाम से जाना जाता है

महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ:

- स्वामित्व प्राप्त किये बिना वित्तीय संपत्तियों की खरीद होती है
- निष्क्रिय निवेश दृष्टिकोण
- निवेशक लाभांश, ब्याज और पूंजी वृद्धि के माध्यम से रिटर्न अर्जित करते हैं

उदाहरण:

- स्टॉक, बॉण्ड आदि।

नियामक संस्था:

- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI)

FDI और FPI के बीच अंतर

विशेषताएँ	FDI	FPI
निवेश की प्रकृति	दीर्घकालिक	अल्पकालिक
उद्देश्य	दूसरे देश में दीर्घकालिक निवेश	निवेश पर त्वरित रिटर्न अर्जित करना
नियंत्रण	महत्वपूर्ण (निवेशित इकाई पर)	नहीं या सीमित नियंत्रण
निवेश	मूर्त संपत्ति (जैसे, कारखाने, भवन)	वित्तीय संपत्ति (जैसे, स्टॉक, बॉण्ड)
रिटर्न्स	लाभ, लाभांश और पूंजी अभिमूल्यन	लाभांश, ब्याज, और पूंजी अभिमूल्यन
नीति विनियम	सरकार की नीतियाँ और क्षेत्र-विशिष्ट नियम	लचीले नियम और आसान प्रवेश/निकास
अर्थव्यवस्था पर प्रभाव	रोज़गार सृजन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और आर्थिक विकास	अल्पकालिक तरलता प्रदान करता है और शेयर बाज़ार को प्रभावित करता है

Drishti IAS

विगत वर्ष के प्रश्न

□□□□□□□□□□:

प्रश्न 1. निवेश के संदर्भ में, निम्नलिखित पर विचार कीजिये: (2025)

I. बॉन्ड

II. प्रतिरक्षा निधियाँ (हेज फंड्स)

III. स्टॉक

IV. जोखिम पूँजी

उपर्युक्त में से कितनों को वैकल्पिक निवेश निधि माना जाता है?

(a) केवल एक

(c) केवल तीन

(b) केवल दो

(d) सभी चार

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/foreign-capital-flows-and-indias-balance-of-payments